चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Savera Times	**31.03.2026**	--	--

HAU breaks into QS Global Rankings; VC Kamboj calls it team success

SHIV KUMAR SHARMA

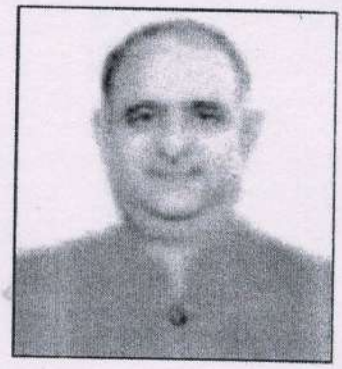

HISAR: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) has achieved a significant international milestone by securing a position in the 301–350 band in the QS World University Rankings 2026, emerging as the only university from Haryana to feature in this prestigious global ranking. Expressing his satisfaction, Vice-Chancellor Prof. B. R. Kamboj said the achievement reflects the collective efforts of faculty, scientists, staff, and students and the university's sustained commitment to academic excellence, research innovation, and extension services. He also acknowledged the continued support of the Government of Haryana and the Indian Council of Agricultural Research. The QS World University Rankings evaluate institutions on parameters such as academic reputation, employer perception, research quality, faculty strength, international collaboration, and global impact, making it one of the most respected global assessments. HAU's inclusion underscores its growing national and international stature, he added. Further strengthening its position, VC said that HAU has secured the 2nd rank in India in Agriculture & Forestry, highlighting its leadership in agricultural research, innovation, and farmer-centric initiatives. The university has made notable contributions in crop improvement, climate-resilient agriculture, soil health management, and water conservation, benefiting farmers across regions.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	31.3.26	5	5-6

'किसानों को ध्यान में रखकर तैयार करें प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा'

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी की 33वीं प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने की। जन प्रतिनिधि के रूप में यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में एचएयू सहित कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, बिहार व झारखंड के राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार संस्थान के निदेशक, विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों के निदेशक भी आनलाइन जुड़े। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि विस्तार शिक्षा संस्थान मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान कर आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों से संस्थान को पर्याप्त वित्तीय सहयोग देने का आह्वान किया और विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों से अधिकारियों को प्रशिक्षण के लिए भेजने की अपील की। संस्थान कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, वानिकी, महिला एवं बाल विकास आदि क्षेत्रों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने, नई कृषि तकनीकों, उपकरणों और विधियों का प्रचार-प्रसार करने, डिजिटल कृषि, स्मार्ट फार्मिंग, जैविक खेती जैसी नवीन प्रणालियों की जानकारी देने, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर कार्यशाला आयोजित करने में अहम् भूमिका निभा रहा है। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से एडिशनल कमिश्नर, डा. संजय कुमार, विस्तार प्रशिक्षण के निदेशक डा. शैलेष, ज्वाइंट डायरेक्टर सेलवम मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. अनिल कुमार रोहिला ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश कुमार, अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन करते हुए

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	31.3.26	8	3-6

हकृवि विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

हिसार, 30 मार्च (हप्र)

हिसार में सोमवार को वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज। -हप्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी की 33वीं प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति एवं प्रबंधन समिति के चेयरमैन प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने की। जनप्रतिनिधि के रूप में यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा भी बैठक में उपस्थित रहे।

बैठक में हकृवि सहित कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, बिहार व झारखंड के राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार संस्थान के निदेशक, विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों के निदेशक भी ऑनलाइन जुड़े।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विस्तार शिक्षा संस्थान मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान कर आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों से संस्थान को पर्याप्त वित्तीय सहयोग देने का आह्वान किया और विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों से अधिकारियों को प्रशिक्षण हेतु भेजने की अपील की। उन्होंने बताया कि उपरोक्त संस्थान कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक ज्ञान एवं तकनीकों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। संस्थान कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, वानिकी, महिला एवं बाल विकास आदि क्षेत्रों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने, नई कृषि तकनीकों, उपकरणों और विधियों का प्रचार-प्रसार करने एवं क्षेत्रीय स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	31.3.26	4	6.7

जैविक और तकनीक आधारित खेती अपनाने पर दिया जोर

एचएयू में कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज व अन्य। स्रोत : विवि

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। विस्तार शिक्षा संस्थान (ईईसी) नीलोखेड़ी की 33वीं प्रबंधन समिति की बैठक सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति एवं प्रबंधन समिति के चेयरमैन प्रो. बलदेव राज कांबोज ने जैविक और तकनीक आधारित खेती पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि ईईसी नीलोखेड़ी मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण देकर आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और विभिन्न राज्यों के कृषि विभागों से संस्थान को पर्याप्त वित्तीय सहयोग एवं प्रशिक्षणार्थियों के लिए अधिकारियों को भेजने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि संस्थान कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, वानिकी, महिला एवं बाल विकास आदि क्षेत्रों के अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। जैविक और तकनीक आधारित खेती से फसल उत्पादन बढ़ाना, लागत कम करना और किसानों की आय बढ़ाना संस्थान का उद्देश्य है।

ईईसी के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार ने बैठक का एजेंडा और संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए जाने चाहिए और आधुनिक तकनीकों का व्यापक प्रसार होना चाहिए।

बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, बिहार व झारखंड के राज्य कृषि प्रबंधन एवं ईईसी के निदेशक, विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों के निदेशक भी ऑनलाइन जुड़े। बैठक का संचालन डॉ. अनिल कुमार रोहिला ने किया। इस दौरान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की तरफ से अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संजय कुमार, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, डॉ. रमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	31.7.26	14	3-8

हकृवि में संस्थान नीलोखेड़ी की 33वीं प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

प्रशिक्षण देने में विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी की अग्रणी भूमिका

■ बैठक में आठ राज्यों के अधिकारियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी की 33वीं प्रबंधन समिति की बैठक हुई। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में हुई बैठक में जन प्रतिनिधि के रूप में यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा भी बैठक में उपस्थित रहे।

बैठक में एचएयू सहित कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, बिहार व झारखंड के राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार संस्थान के निदेशक, विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों के निदेशक भी ऑनलाइन जुड़े। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विस्तार शिक्षा संस्थान मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान कर आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों से संस्थान को पर्याप्त वित्तीय सहयोग देने का आह्वान किया और विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों से अधिकारियों को प्रशिक्षण के लिए भेजने की अपील की। कुलपति ने बताया कि संस्थान विस्तार अधिकारियों को नवीनतम कृषि अनुसंधान की जानकारी देने, फसल उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने और आय बढ़ाने के उपायों के बारे जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। विस्तार अधिकारियों से फीडबैक लेकर प्रशिक्षण नीतियों में सुधार करने, नई तकनीकों को विस्तार अधिकारियों तक पंहुचाने का कार्य करता है ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

हिसार। बैठक में वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

यह रहे उपस्थित

बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से एडिशनल कमीश्नर, डॉ. संजय कुमार, विस्तार प्रशिक्षण के डायरेक्टर डॉ. शैलेष, ज्वाइंट डायरेक्टर सेलवम मौजूद रहें एवं संस्थान को सभी प्रकार का सहयोग करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार रोहिला ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आधुनिक तकनीकों के व्यापक प्रसार पर बल दिया

विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने एवं आधुनिक तकनीकों के व्यापक प्रसार पर बल दिया। संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रबंधन समिति द्वारा संस्थान के सुचारु संचालन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं। उन्होंने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	31.3.26	5	7-8

हकृवि में संस्थान नीलोखेड़ी की 33 वीं प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

हिसार, 30 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी की 33वीं प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रबंधन समिति के चेयरमैन प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने की। जन प्रतिनिधि के रूप में यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में हकृवि सहित कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, बिहार व झारखंड के राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार संस्थान के निदेशक, विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों के निदेशक भी ऑनलाइन जुड़े।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण	30.03.2026	--	--

हकृवि में औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग पर कार्यशाला आयोजित

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग तथा सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि जबकि सिविल हस्पताल से वैध (डॉ) सुखबीर सिंह वर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। यह कार्यशाला विशेष रूप से अनुसूचित जाति के किसानों के लिए आयोजित की गई। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने टिकाऊ कृषि में औषधीय पौधों के बढ़ते महत्व, उनकी बढ़ती बाजार मांग तथा उन्नत उत्पादन तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को अधिक लाभ के लिए इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के समग्र संतुलन—शरीर, मन और प्रकृति—पर आधारित एक प्राचीन वैज्ञानिक पद्धति है। वात, पित्त, कफ के संतुलन

को स्वास्थ्य की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग एवं ध्यान के माध्यम से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही, औषधीय पौधों के संरक्षण, जैविक खेती और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर भी विशेष बल दिया गया। वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, तनावपूर्ण जीवनशैली और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के बीच आयुर्वेद की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति और स्वस्थ पृथ्वी एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि हम प्रकृति का संरक्षण करेंगे, तो हमारा स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने सभी से आयुर्वेद आधारित जीवनशैली अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कुलपति ने कार्यक्रम में प्रकाशनों एवं औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल आधारित उत्पादों का भी विमोचन किया। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम मे वैध सूरज भान ने भी आयुर्वेद पर अपने विचार व्यक्त किए तथा अपना खानपान और दिनचर्या ठीक करने पर बल दिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय में चल रही शोध एवं विस्तार गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश आर्य ने औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों पर कविता के माध्यम से अपने विचार साझा किए, वहीं विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक खेती तकनीकों एवं मूल्य संवर्धन के अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने सक्रिय भागीदारी की और विशेषज्ञों के साथ खेती की विधियों, फसल प्रबंधन एवं आर्थिक संभावनाओं पर चर्चा की गई। किसानों को कृषि साहित्य, उपकरण, बीज एवं औषधीय पौधों की रोपण सामग्री भी वितरित की गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश कुमार गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ भूपेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में औषधीय अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. गजराज दहिया, डॉ. रवि बेनीवाल, डॉ. विपन कुमार, डॉ. कृष्ण कुमार सहित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागों एवं अनुभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण	30.03.2026	--	--

विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी की प्रशिक्षण देने में अग्रणी भूमिका: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

दक्ष दर्पण

» हकृवि में संस्थान नीलोखेड़ी की 33वीं प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित
» बैठक में आठ राज्यों के अधिकारियों ने लिया भाग

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी की 33वीं प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रबंधन समिति के चेयरमैन प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने की। जन प्रतिनिधि के रूप में यमुनानगर के विधायक श्री घनश्याम दास अरोड़ा भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में एचएयू सहित कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, बिहार व झारखंड के राज्य कृषि प्रबंधन एवं विस्तार संस्थान के निदेशक, विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों के निदेशक भी ऑनलाइन जुड़े। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विस्तार शिक्षा संस्थान मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण प्रदान कर आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों से संस्थान को पर्याप्त वित्तीय सहयोग देने का आह्वान किया और विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबंधित विभागों से अधिकारियों को प्रशिक्षण हेतु भेजने की अपील की। उन्होंने बताया कि उपरोक्त संस्थान कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक ज्ञान एवं तकनीकों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। संस्थान कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, खनिकी, महिला एवं बाल विकास आदि क्षेत्रों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने, नई कृषि तकनीकों, उपकरणों और विधियों का प्रचार-प्रसार करने, डिजिटल कृषि, स्मार्ट फार्मिंग, जैविक खेती जैसी नवीन प्रणालियों की जानकारी देने, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित करने में अहम् भूमिका निभा रहा है। कुलपति ने बताया कि संस्थान विस्तार अधिकारियों को नवीनतम कृषि अनुसंधान की जानकारी देने, फसल उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने और आय बढ़ाने के उपायों के बारे जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। विस्तार अधिकारियों से फीडबैक लेकर प्रशिक्षण नीतियों में सुधार करने, नई तकनीकों को विस्तार अधिकारियों तक पहुंचाने का कार्य करता है ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके। इसके अतिरिक्त संस्थान उद्यान, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास आदि के अधिकारियों को भी प्रशिक्षण देने का कार्य करता है। विधायक श्री घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने एवं आधुनिक तकनीकों के व्यापक प्रसार पर बल दिया। संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रबंधन समिति द्वारा संस्थान के सुचारु संचालन हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं। उन्होंने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से एडिशनल कमीश्नर, डॉ. संजय कुमार, विस्तार प्रशिक्षण के डायरेक्टर डॉ. शैलेष, ज्वाइंट डायरेक्टर सेलवम मौजूद रहे एवं संस्थान को सभी प्रकार का सहयोग करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार रोहिल्ला ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।